भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3816

11/08/2026 को उत्तर के लिए

मुथलापोज़ी फिशिंग हार्बर

3816. एडवोकेट अदूर प्रकाश:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केरल में मुथलापोज़ी फिशिंग हार्बर के सुरक्षित और सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए नवंबर, 2024 में केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित 177 करोड़ रुपये की परियोजना के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) आज की तिथि तक जारी की गई और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है तथा कार्यों में कितनी प्रगति हुई

(ग) सरकार द्वारा विकास कार्यों को बिना किसी और देरी के पूरा करने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) स्वीकृत परियोजनाओं के किस समय-सीमा तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (घ) मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार ने केरल के तिरुवनंतपुरम जिले में मुथलापोजी मत्स्यन बंदरगाह के विस्तार के लिए 01 नवंबर, 2024 को प्रशासनिक मंजूरी दी है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 177 करोड़ रुपए है, जिसमें प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के तहत 106.20 करोड़ रुपए का केंद्रीय अंश शामिल है। इस परियोजना को केरल की राज्य सरकार द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2025-2026 और 2026-27 के दौरान, केरल को PMMSY के तहत स्वीकृत मुथलापोजी मत्स्यन बंदरगाह परियोजना सहित विभिन्न घटकों/गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए SNA SPARSH में PMMSY के अंतर्गत केरल सरकार को क्रमशः 100 करोड़ रुपए और 30 करोड़ रुपए की केंद्रीय निधि आवंटित की गई है। केरल राज्य सरकार ने इस परियोजना में 45.41 करोड़ रुपए की निधि के उपयोग की रिपोर्ट दी है। राज्य द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, कार्यों की भौतिक प्रगति 30% है।

मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के कार्यान्वयन की नियमित रूप से समीक्षा करता है, जिसमें मुथलापोजी मत्स्यन बंदरगाह परियोजना भी शामिल है। इसके अलावा, केरल राज्य सरकार ने उल्लेख किया है कि कार्य की प्रगति में देरी से बचने के लिए संबंधित राज्य सरकार के अधिकारी माह में दो बार कार्य की समीक्षा कर रहे हैं। केरल राज्य सरकार ने कहा है कि कार्य पूरा होने की नियत तिथि 31.12.2027 है।

*****